सप्तम् अध्ययेन-अभ्यास सत्र

MANAV TEERTH
KIRITPUR

संपर्क

राममिलन भैया: +919406263905

अंकित भैया +919810146679

पुष्पेंद्र भैया +918458838377

विनायक भैया +918826939310

WWW.MANAVTEERTH.INFO

त्रिवर्षीय अध्ययन सत्र उद्देश्य:-

1.मध्यस्थ दर्शन के वांग्मय का पठन/शास्त्राध्ययन, मनन पूर्वक निष्कर्ष प्रारंभ । बौद्धिक आयाम के प्रति स्वीकृति ।

2.श्रम एवं उत्पादन करने की मानसिकता व अभ्यास पूर्वक समृद्ध होने में विश्वास ।

3. परिवार व्यवस्था में जीने में विश्वास – न्याय, उत्पादन, सेवा के प्रति स्वीकृति ।

4. व्यवहार प्रधान विधि से व्यवस्था व प्रबंधन की स्पष्टता एवं अभ्यास (किए हुए को कराना, सीखे हुए को सिखाना) ।

5. शिक्षा, शोध, इत्यादि में भागीदारी की मानसिकता/अवसर।

6. स्वास्थ्य संयम की समझ एवं उसके योग्य
आहार, विहार (दिनचर्या) में दृढ़ता ।

7. संबंध पूरकता पहचान,सटीक मूल्यांकन करने में परिष्कृति।

विद्यार्थी :-

1.

a) वयस्क 18 वर्ष से अधिक एवं 30 से कम वर्ष होंगे, अपने अभिभावक की सहमति/अनुमति से आयेंगे ।

b) इच्छुक 30 से 40 आयु के स्वस्थ व्यक्ति को भी शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

2. यदि कोई विद्यार्थी मात्र 6 माह, 1 वर्ष, 2 वर्ष या किसी एक भाग के लिए आना चाहें, चर्चा कर प्रवेश पर सोचा जायेगा।

3. अध्ययन सत्र एवं मानव तीर्थ के नियमों से सहमत होंगे।

सत्र रूपरेखा

4 घंटे अध्ययन + 4 घंटे श्रम + 4 घंटे व्यवस्था में भागीदारी व व्यवहाराभ्यास

- **प्रथम वर्ष**- अध्ययन प्रधान
- **द्वितिय वर्ष**- श्रम (प्रशिक्षण) एवं उत्पादन प्रधान
- **तृतीय वर्ष**- व्यवस्था में भागीदारी प्रधान, अध्ययन एवं श्रम (उत्पादन व सेवा)

- प्रतिदिन व्यायाम अनिवार्य भाग होगा

YEAR		कार्य	व्यवहार / विचार
1	अध्ययन प्रधान	सीखना	समझना
2	उत्पादन प्रधान	करना	जीना
3	प्रबंधन प्रधान	सिखाना	समझाना

प्रथम वर्ष

अध्ययन प्रधान, श्रमभ्यास, व्यवहाराभ्यास व व्यवस्था में भागीदारी

अध्ययन का उद्देश्य :-

- दर्शन के वांग्मय से परिचय व पठन जैसे परिचय, दर्शन, वाद, शास्त्र etc
- कुछ मूलभूत अवधारणा से सहमति
- अग्रिम शेष वांग्मय स्वयं से पठन व मनन के लिए प्रवृति
- मध्यस्थ दर्शन के विकल्प होने की स्पष्टता।

श्रम का उद्देश्य :-

- शारीरिक श्रम करने की प्रवृति (मानसिकता) बनना व अभ्यास होना
- परिवार व्यवस्था में जीने के लिए आवश्यक कार्यो से ससम्मुखता एवं प्रवृति निर्माण

a) मानवीय व्यवस्था के लिए अनिवार्य आहार उत्पादन (अन्न , फल, शाक, दूध) संरक्षण एवं पाक कला सीखना एवं उसमें भागीदारी करना

b) इनमें निहित चुनौतियों को पहचानना

- मानवीय व्यवस्था के लिए अनिवार्य उद्योगों में एक या अधिक को सीखना, चुनौतियों को पहचानना
- आवश्यकता अनुसार सेवा का अवसर आने पर करने के लिए समर्थ/सक्षम शरीर स्वास्थ्य व अभ्यास

श्रम विभाग :

Kitchen | गौशाला | सब्जी | Food Processing | सफ़ाई व सेवा | परिसर सज्जा

व्यवस्था में भागीदारी व व्यवहाराभ्यास का उद्देश्य :-

- मानवीय व्यवस्था के पाँचों आयामों में सामान्य भागीदारी
- संस्थागत व्यवस्था व कार्यक्रम में भागीदारी।
- व्यवस्था में भागीदारी पूर्वक सामाजिकता की मानसिकता बनना, सेवा में प्रवृति।
- स्थानीय परिवेश व संस्थान के संस्कृति सभ्यता के अनुसार रहना (भाषा ठीक करना है)
- अलंकार परिवेश के अनुसार हो
- पुरुष व महिला का आहार विहार अलग अलग तथा अध्ययन व व्यवहार एक साथ।

द्वितीय वर्ष

श्रम पूर्वक उत्पादन प्रधान, अध्ययनाभ्यास, व्यवहाराभ्यास व व्यवस्था में भागीदारी

अध्ययन का उद्देश्य :-

- प्रथम वर्ष पश्चात शेष वांग्मय का पठन
- स्वाध्याय एवं जिज्ञासा विधि से शंका-समाधान
- स्व-पठन से वांग्मय की पुनरावृति में सक्षमता
- शोध में भागीदारी: Brain, Cell, Atom व अन्य तुलनात्मक अध्ययन

श्रम का उद्देश्य :-

- श्रम का अभ्यास बना रहना एवं सीखे हुए को सिखाना (4 घंटा उत्पादन श्रम एवं योजना निर्माण)
- भविष्य में श्रम आधारित इन्ही या अन्य उत्पादन करने में सक्षमता
- किसी एक विभाग की ज़िम्मेदारी का वहन करना
- विभाग के क्रय विक्रय व लेखा जोखा (accounts को maintain करने की योग्यता अर्जन)

व्यवस्था में भागीदारी व व्यवहाराभ्यास का उद्देश्य :-

- सम्बन्ध पहचान में निर्वाह की प्रधानता एवं अभ्यास
- पाँचों आयामों की कार्य प्रणाली व अभ्यास में स्पष्टता
- संस्थागत व्यवस्था व कार्यक्रम में भागीदारी। जैसे हॉस्टल, मेंटेंनेंस

तृतीय वर्ष

व्यवस्था में भागीदारी प्रधान, अध्ययन एवं श्रम (उत्पादन व सेवा)

अध्ययन का उद्देश्य :-

- मध्यस्थ दर्शन के वांग्मय में स्पष्टता
- गोष्ठी/शिविर में भागीदारी का अभ्यास
- गोष्ठी/शिविर के संचालन की सम्भावना
- शोध में प्रौढ़ता

श्रम का उद्देश्य :-

- कृषि व सहायक उत्पादन / उद्योग में प्रवीणता
- अन्य उद्योगों का परिचय
- श्रम अभ्यास में प्रौढ़ता (4 घंटा उत्पादन/सेवा के श्रम में पारंगत)
- आंकड़ों से विश्लेषणात्मक निष्कर्ष निकालने को योग्यता।
- संस्थान के विभिन्न विभागों के बीच में तालमेल को स्थापित करना तथा उसको बनाएं रखना।

व्यवस्था में भागीदारी व व्यवहाराभ्यास का उद्देश्य :-

- परिवार या वृहत परिवार के प्रबंधन में व्यवहार की भूमिका की स्पष्टता तथा सामान्य अभ्यास।
- व्यवस्था के पाँचों आयामों में भागीदारी में सक्षमता
- प्रेरणा देने योग्य मानसिकता

दिनचर्या

Sr. No	कार्य प्रथम वर्ष - जुलाई	समय अवधि सूर्योदय - 5:30 AM
1	व्यायाम	5:30 am - 6:00 am
2	काढ़ा/ चाय	6:00am – 6:30 am
3	श्रम / व्यवस्था में भागीदारी	6:30am - 8:30am
4	नाश्ता + सफ़ाई	8:30 am – 9:00 am
5	अनिवार्य कार्य	9:00 am – 9:30 am
6	अध्ययन सत्र (कक्षा में)	9:30 am – 11:00 am
7	अध्ययन सत्र (कक्षा में)	11:00 am -1:00 pm
8.	भोजन	1:00 pm- 1:30 pm
9	व्यवस्था में भागीदारी	2:30 pm – 3:30 pm
10	काढ़ा/चाय	3:30 pm – 4:00 pm
11	श्रम	4:00pm - 6:00 pm

प्रथम माह

- श्रम: 4 घंटे
- व्यवस्था में भागीदारी :- 0 घंटा
- अध्ययन, सहायक क्रियाकलाप – 5 1/2 घंटे

द्वितीय माह (August)

- श्रम: 4 घंटे
- व्यवस्था में भागीदारी :- 0 घंटा
- अध्ययन, सहायक क्रियाकलाप – 5 घंटे

तृतीय माह (September)

- श्रम: 4 घंटे
- व्यवस्था में भागीदारी :- 0 घंटा
- अध्ययन, सहायक क्रियाकलाप – 4 घंटे

चतुर्थ माह (October)

- श्रम: 4 घंटे
- व्यवस्था में भागीदारी :- 2 घंटा
- अध्ययन, सहायक क्रियाकलाप – 4 घंटे

नोट:-
ऋतु-अनुसार इन कार्यकलापों के समय में ½ से 1 घंटा का परिवर्तन किया जायेगा
द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए कक्षा में आवश्यकता अनुसार अध्ययन सत्र रहेगा । सायंकालीन अध्ययन गोष्ठी में वस्तुपर विचार विमर्श रहेगा

- **श्रम – सभी विद्यार्थी निम्न क्षेत्रों में वर्तेंगे–**

1) भोजनालय, 2) सब्जी क्षेत्र, 3) गौशाला, 4) अन्न-खेत, 5) भण्डारण, 6) खाद्य प्रसंस्करण, 7) परिसर सज्जा, 8) फल क्षेत्र।

- **व्यवस्था में भागीदारी –**

1) विद्यालय हॉस्टल में छोटे बच्चों के साथ जिम्मेदारी , 2) एकाउंट्स, 3) कार्यक्रम/गोष्ठी-प्रबंधन, 4) क्रय/विक्रय, 5) संस्थान मेंटेनेंस, 6) बिजली पानी

- **अध्ययन गोष्ठी** - विषय वस्तु – अध्ययन-अभ्यास सम्बन्धी, कार्य-व्यवस्था सम्बन्धी, आगंतुकों से सुनना/प्रस्तुति

अवकाश:

- दिवाली के समय 2 सप्ताह का अवकाश रहेगा। एप्रिल - मई में 30 दिन का अवकाश रहेगा

शुल्क:

- अध्ययन निःशुल्क होगा । प्रथम वर्ष में भोजन व आवास का सामान्य व्यय 6500 रु. प्रतिमाह देय होगा।
- द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में भोजन/आवास व्यय नही देना होगा { विद्यार्थी अपने श्रम पूर्वक स्वयं का व्यय वहन करने योग्य हो गये इसका विश्वास दिलाने/होने के लिए }

विद्यार्थी से अपेक्षा एवं नियम:

- त्रीवर्षीय अध्ययन कार्यक्रम विद्यार्थी व मानव तीर्थ की सहमति से बीच में स्थगित या बंद किया जा सकता है
- प्रथम वर्ष के उपरांत उभय मूल्यांकन के आधार पर अग्रिम छः मास के लिए पुनः प्रवेश होगा
- 3 वर्ष अध्ययन पूर्ण होने के उपरांत विद्यार्थी यहाँ से विदा लेंगे । यहाँ किसी भी प्रकार का अग्रिम सेवा, नौकरी / तीर्थ में निवासी होने का आश्वासन नहीं है
- मानव तीर्थ ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है । यहाँ का सबसे निकट नगर सिमगा है, जो 11 किमी की दूरी पर है । बड़ा नगर बेमेतेरा है, जो 25 किमी पर है । पहुँचने का समय लगभग 30 मिनट है
- तीर्थ परिसर में सौर्य ऊर्जा का प्रावधान है । आगे अन्य वैकल्पिक उर्जास्त्रोतों को स्थापित करने का विचार है । इस कारण तीर्थ के सभी निवासी इसके अभ्यस्त होने की अपेक्षा है
- परिसर में भोजन पूर्णरूप से शाकाहारी रहेगा
- अध्ययन क्रम में वर्ष में 2 अवकाश दिए जाएँगे - 1. गर्मी 2. दीपावली

  पूर्वनिश्चित तिथियों के अलावा अवकाश विशेष रूप में आवश्यकता अनुसार दिया जायेगा
- हमारी यह अपेक्षा है कि प्रत्येक विद्यार्थी परिसर की ज़िम्मेदारी को स्वीकारेंगे तथा उसके संचलन, संरक्षण तथा विकास में भागीदार होंगे । इसी के अंतर्गत आपसे अपेक्षा है कि सेवा, उत्पादन एवं व्यवस्था के सभी आयामों में आप भागीदार होंगे
- उपरोक्त नियम आपके ध्यानाकर्षण हेतु है, अपेक्षा है कि आप इन्हें मन से स्वीकारेंगे । हमारा यह उद्देश्य है कि तीर्थ में वातावरण विद्वतापूर्ण, सरल, सहभागी, न्यायिक, एवं दबाव रहित रहे।
- तीर्थ के निवासी हिदी के अलावा अन्य भाषा भी बोलते हैं । आपका हार्दिक स्वागत है!
- मानव तीर्थ में भोजन व्यवस्था यहां की भौगोलिक स्थिति के अनुसार शरीर स्वास्थ्य व संतुलन के अर्थ में तैयार किया गया है । इस व्यवस्था को बनाए रखने में सभी की सहयोग अपेक्षित है ।
- स्वयं के विकास के लिए दिन चर्या महत्वपूर्ण है , इसलिए समय पर व्यायाम,काढ़ा, नाश्ता,श्रम,पठन,अध्ययन गोष्ठी,व्यवस्था में भागीदारी एवं अन्य गतिविधियों में मन लगाना अनिवार्य है ।

प्रबोधन

- प्रबोधन मध्यस्थ दर्शन के अध्ययन एवं अभ्यासरत व्यक्तियों द्वारा होगा । प्रत्येक प्रबोधक अपने विवेक अनुसार अध्ययन कराएंगे
- प्रबोधन हेतु मानव तीर्थ के निवासी तथा मध्यस्थ दर्शन के अन्य अध्ययन स्थली एवं देश भर से अध्ययन रत मित्र आयेंगे । सामान्यत: 10 से 12 प्रबोधक तीर्थ के बाहर से आते हैं। उस समय दिन में 4 से 5 घंटे अध्ययन सत्र रहेगा
- इस विधि से सभी विद्यार्थियों को अनेक अध्ययनशील लोगों से परिचय होता है एवं विभिन्न परिप्रेक्षों तथा दृष्टिकोणों का लाभ मिल सकता है
- प्रबोधकों का चयन संस्थान करेगी, प्रबोधन का कोई प्रतिफल नहीं है

तीर्थ परिसर एवं उपलब्ध भौतिक सुविधाऐं :

1. कुल 125 एकड़ भूमी, जिसमे से 80 एकड़ सोमनाथ एवं खारून नदी के संगम, किरितपूर गाँव में स्थित है, तथा शेष 45 एकड़ ग्राम कठिया, बेमेतरा-सिमगा महामार्ग के निकट है
2. महामार्ग के निकट भूमी में 'प्रेरणा विद्यालय' के नाम से एक विद्यालय 2017 से प्रारंभ हुआ है जिसमें छत्तीसगढ़ बोर्ड की मान्यता सहित 'चेतना विकास मूल्य शिक्षा' पढ़ाया जाता है । विद्यालय 12 वीं कक्षा तक है।2019 से मानव तीर्थ के परिसर में विद्यालय के कक्षा 6 से बच्चों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध की गयी है ताकि जीवन विद्या परिवार के बच्चे तीर्थ के अध्ययन अभ्यास के वातावरण सहित प्रेरणा विद्यालय से विधिवत शिक्षा प्राप्त कर पाऐं
3. नदी के संगम में स्थित 'मानव तीर्थ' भूमी में प्रथम चरण में कुल 5 भवनों का निर्माण हो चुका है । इसमें: एक गोडाउन, एक स्वागत बिल्डिइंग, एक निवास, एक छात्रावास, अध्ययन एवं गोष्ठी हेतु 3 सभागार, तथा एक अतिथी गृह है , एक नया किचन का निर्माण जारी है। इसमें लगभग 70 विद्यार्थी, एवं 10 परिवार के रहने हेतु व्यवस्था है । इस विधि से कुल 100-120 लोग रह सकते हैं
4. तीर्थ में लगभग 50-60 एकड़ में सब्जी, फल, अनाज, दलहन, तिलहन, तथा विभिन्न प्रकार के पेढों का वृक्षारोपण जारी है । 5000 से अधिक पौधे लग चुके हैं । एक प्राकृतिक नाला एवं खाई तीर्थ के परिसर में पहले से है।

पठन क्रम

पठन क्रम Batch 2024-25			
Week	Book	Week	Book
22-26 July	1st year Orientation/Utsav	14-18 Oct	कर्म दर्शन भाग 1
29-02 Aug	अध्ययन बिंदु + विकल्प	21-25 Oct	कर्म दर्शन भाग 2
05-09 Aug	अध्ययन बिंदु + विकल्प	26 Oct - 3 Nov	दीपावली अवकाश
12-16 Aug	विकल्प,जीवन विद्या एक परिचय	04-08 Nov	अनुभव दर्शन 1
19-23 Aug	जीवन विद्या एक परिचय	11-15 Nov	अनुभव दर्शन 2
26-30 Aug	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 1	18-22 Nov	अनुभव दर्शन 3
02-06 Sep	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 2	25-29 Nov	स्व मूल्यांकन + Documentation
09-13 Sep	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 3	02-06 Dec	अध्यात्मवाद 1
16-20 Sep	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 4	09-13 Dec	अध्यात्मवाद 2
23-27 Sep	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 5	16-20 Dec	अध्यात्मवाद 3
30 Sep -04 Oct	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 6	23-27 Dec	YOUTH CAMP
7 - 11 Oct	मानव व्यवहार दर्शन (MVD) 7	27 Dec-3 Jan	YOUTH CAMP

पठन क्रम

पठन क्रम Batch 2024 -25			
Week	Book	Week	Book
06-10 Jan	भोतिकवाद 1	17 - 21 March	अर्थशास्त्र 2
13-17 Jan	भोतिकवाद 2	24- 28 March	अर्थशास्त्र 3
20 -24Jan	भोतिकवाद 3	31 Mar. - 04 April	मनोविज्ञान 1
27- 31 Jan	समाजशास्त्र 1	7 - 11 April	मनोविज्ञान
03-07 Feb	समाजशास्त्र 2	14 - 18 April	परिभाषा संहिता
10- 14 Feb	समाजशास्त्र 3	21 - 25 April	अभ्यास दर्शन
17- 21 Feb	समाजशास्त्र 4	28 Apr - 02 May	अभ्यास दर्शन
24 - 28 Feb	कर्म दर्शन(कर्म)	02 - 17 May	अवकाश
03 - 07 Mar	कर्म दर्शन (उपासना)	17 - 31 May	अवकाश
10 - 14 Mar	अर्थशास्त्र 1	2-11 June	Youth Camp

सप्तम् अध्ययन-अभ्यास सत्र

Phone

रामिलन भैया: +919406263905
अंकित भैया +919810146679
पुष्पेंद्र भैया +918458838377
विनायक भैया +918826939310

@manavteerth

@manavteerth

@manavteerth9774

https://manavteerth.info

Location

Manav Teerth
Bemetara, Chattisgarh

।।नित्यं यातु शुभोदयम।।